MASA-02

Section –C

(Long answer questions)

दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न

Note: You have to delimit your each answer maximum 800 words.

नोट : आपको अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित करना है।

1. गीतिकाव्यों कि विशेषताओ का वर्णन किजिए।

2. रुपको की क्या विशेषता है ?

OR (अथवा)

मेघदूत के कलापक्ष का वर्णन किजिए

3. मृच्छकटिकं के प्रथम अंक की प्रमुख सुक्तियों का वर्णन लिखिए?

OR (अथवा)

शूद्रक का कालनिर्धारण किजिए।

4. अभिज्ञान शाकुन्तलं का कथा सार लिखिए।

OR (अथवा)

कालिदास के नाटकों का परिचय दिजिए।

5. काव्यविधाओ का विस्तार पूर्वक वर्णन किजिए।

OR (अथवा)

भास के नाटकों पर प्रकाश डालिए।

6. दूतकाव्य परम्परा की क्या विशेषतायें है ?

7. धूता का चरित्र चित्रण किजिए।

OR (अथवा)

शकार का चरित्र चित्रण किजिए।

8. मुद्राराक्षस की विशेषताओं का वर्णन किजिए। ?

OR (अथवा)

विशाखादत्त कि भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

9. गीतिकाव्यों का उद्भव और विकास का क्रम बताईये

OR (अथवा)

मृच्छकटिकम् नाटक की कथा वस्तु लिखिए।

10. मृच्छकटिकम् के दुसरे अंक की प्रमुख सुक्तियों का वर्णन किजिए।

OR (अथवा)

महाकाव्य की क्या विशेषतायें है ,विवेचन किजिए।

11 संस्कृत साहित्य में नाटककारों का क्या योगदान रहा ?

12. आचार्य भरत के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

OR (अथवा)

चारुदत्त का चरित्र चित्रण किजिए।

13. पन्चसन्धियों का वर्णन किजिए

OR (अथवा)

मृच्छकटिकम् के तृतिय अंक की प्रमुख सुक्तियों का वर्णन किजिए।

14. देवीचन्द्रगुप्त और अभिसारिकावन्चितं का परिचय दीजिए।

OR (अथवा)

कालिदास के कलापक्ष का वर्णन किजिए।

15. गीतिकाव्यों में मेघदूत का स्थान निर्धारण किजिए।

OR (अथवा)

वसन्तसेना का चरित्र चित्रण किजिए।

16 नाटक निर्माण में किन तत्त्वों का समावेश आवश्यक है ?

17. शर्विलक की चारित्रिक विशेषतायें लिखिए।

OR (अथवा)

मृच्छकटिक के विदूषक का चरित्र चित्रण किजिए।

18. संस्कृत साहित्य में प्रमुख नाटककारों के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए

OR (अथवा)

मृच्छकटिक के विदूषक का चरित्र चित्रण किजिए।

19. मुद्राराक्षस नाटक का वैशिष्ट्य लिखिए।

OR (अथवा)

मृच्छकटिक नाटक के कलापक्ष पर प्रकाश डालिए

20. मेघदूत कि कथावस्तु का वर्णन किजिए।

OR (अथवा)

कालिदास का काल निर्धारण किजिए।

21 नाटिका से आप क्या समझतेहै , विवेचन किजिए।

11. कालिदास के महाकाव्यों का परिचय दीजिए।

OR (अथवा)

ऋतुसंहार के कलपक्ष पर प्रकाश डालिए।

22. हर्षवर्धन की कृतियों का परिचय दीजिए।

OR (अथवा)

कालिदास की कृतियों के भाव्पक्ष का वर्णन किजिए।

23.मेघदूत की कथावस्तु का सार लिखिए।

OR (अथवा)

मृच्छकटिकम् के प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालिए।

24. खण्डकाव्य कि विशेषतायें लिखिए।

OR (अथवा)

कालिदास के गीतिकाव्यों पर प्रकाश डालिए।

25 संस्कृत साहित्य में प्रमुख नाटककारों का परिचय दीजिए।

26. विशाखादत्तकृत नायक का चित्रण किजिए।

OR (अथवा)

विशाखादत्तकृत प्रतिनायक का चित्रण किजिए।

27. मुद्राराक्षस नाटक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

OR (अथवा)

मेघदूत का भावपक्ष उपस्थित किजिए।

28. रघुवंश की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

OR (अथवा)

भवभूति की रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

29. काव्यविधाओ का वर्गीकरण किजिए।

OR (अथवा)

ऋतुसंहार का वैशिष्ट्य विस्तृत रूप में लिखो।